कृषि विज्ञान केन्द्र

गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

अक्टूबर 2024, अंक 6

श्रम न्यूनीकरण हेतु उपयुक्त तकनीकी विषय पर प्रशिक्षण

अनुसूचित जाति उप–परियोजना अन्तर्गत दिनांक 10 से 11 सितम्बर 2024 को कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में महिलाओं हेतु उपयुक्त श्रम न्यूनीकरण तकनीकों के महत्व एवं उपयोग विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें गांव बरलाजसर की 23 महिलाओं ने भाग लिया । प्रशिक्षण के दौरान कार्यक्रम संयोजक एवं विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा कृषि में उपयुक्त श्रम न्यूनीकरण तकनीकों (कोट बैग, नवीन दरांती, रिवोल्विंग स्टूल) इत्यादि तकनीकों के उपयोग विधि के बारे में बताया गया साथ ही इन तकनीकों से महिलाओं के स्वास्थय पर पडने वाले सकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई । प्रशिक्षण उपरान्त सभी प्रशिक्षणार्थियों को कोट बेग (Cot bag) के प्रदर्शन उपलब्ध करवाये गये ताकि तकनीकी का सटीक मूल्यांकन हो सके ।

ग्वार में झुलसा रोग प्रबंधन पर प्रशिक्षण व प्रदर्शन

दिनांक 12.9.24 को सरदारशहर तहसील के गांव पातलीसर बडा में ग्वार में झुलसा रोग प्रबंधन पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 24 कृषकों व कृषक महिलाओं को झुलसा रोग प्रबंधन हेतु कोपर ऑक्सीक्लोराइड 50 WP 30 ग्राम+स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 2 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी में धोलकर छिडकाव कर रोग प्रबंधन की जानकारी दी गई, उसके पश्चात 15 कृषकों के खेतों पर झुलसा रोग प्रबंधन पर प्रदर्शनों का आयोजन किया गया ।

ब्यूटी पॉर्लर कौशल विषय पर प्रशिक्षण

आईसीएआर (ICAR) के द्वारा 100 दिवसीय कार्य योजना दक्षता प्रशिक्षण (Skill Training) के अन्तर्गत केन्द्र द्वारा ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों हेतु दिनांक 17 सितम्बर से 21 सितम्बर 2024 तक पांच दिवसीय असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन गांव पूलासर में किया गया । कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रमीण युवतियों एवं महिलाओं को स्व–रोजगार हेतु प्रेरित करना था । प्रशिक्षण के दौरान कार्यक्रम संयोजक डॉ. रमन जोधा द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को ब्यूटी पॉर्लर कौशल को अपनाकर आत्मनिर्भर बनने हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वावलंबी योजनाओं के बारे में जानकारी दी तथा मास्टर ट्रेनर द्वारा ब्यूटी पॉर्लर से संबंधित सभी कौशल विधि प्रदर्शन द्वारा प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया ।

क्षैत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (ZREAC) रबी 2024–25 की बैठक का आयोजन

दिनांक 9.9.2024 (**Pre-ZREAC**) व 18 सितम्बर 2024 (**Final-ZREAC**) क्षैत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति रबी 2024–25 की बैठक का आयोजन कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीछवाल, बीकानेर के सभागार में हुआ, जिसमें कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर, कृषि विभाग, उद्यान विभाग एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा रबी 2023–24 की प्रगति प्रतिवेदन का प्रस्तुतीकरण किया गया । केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ (सस्य) श्री हरीश कुमार रछौया द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा 2023–24 में किये गये कार्यो (प्रदर्शनों, प्रशिक्षणों, प्रक्षेत्र अनुसंधान, प्रसार गतिविधियों इत्यादि) का पावर पोईंट के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया गया एवं आगामी रबी 2024–25 में आयोजित किये जाने वाले प्रक्षेत्र अनुसंधान ट्रायल का अनुमोदन सदन द्वारा किया गया ।

मूंग फसल के प्रक्षैत्र दिवस का आयोजन

केन्द्र द्वारा दिनांक 21.9.2024 को जलवायु समुत्थानशील कृषि में राष्ट्रीय नवाचार (**NICRA**) परियोजना अन्तर्गत मूंग किस्म एमएच–1142 का ब्लॉक सरदारशहर के गांव मीतासर में प्रक्षैत्र दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें गांव के 31 किसान व कृषक महिलाओं ने भाग लिया । दलहन उत्पादन के अन्तर्गत मूंग की पैदावार बढाने हेतु लगाये गये प्रदर्शनों के परिणामों से आगन्तुक सभी कृषकों को अवगत कराया गया । कृषकों ने स्वंय प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर प्रदर्शित तकनीकी और उसके उत्साहित परिणामों को देखकर सीखने का प्रयास किया । मूंग की नई किस्म एमएच–1142 में अच्छे फलन, प्रतिफली दानों की संख्या एवं एकल पकाव जैसे गुणों को स्वंय कृषकों ने आपस में एक दूसरे किसानों को बताया । प्रदर्शनों में होने वाली अच्छी पैदावार को देखते हुए उपस्थित सभी कृषक महिलाओं एवं पुरूषों ने उत्पादन को आगामी फसल के बीज हेतु रखने एवं उत्पादन में सहयोगी विधियों (भूमि उपचार, बीज उपचार, पौध सरंक्षण, पोषक तत्व प्रबंधन आदि) को अपनाने का संकल्प लिया ।

वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन

आईसीएआर (**ICAR**) के द्वारा 100 दिवसीय कार्य योजना दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत केन्द्र द्वारा ग्राम हुडेरा तहसील रतनगढ में दिनांक 23 से 27 सितम्बर 2024 के दौरान वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें हुडेरा की 20 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को कृषि से संबंधित स्वरोजगार से जोडकर स्वावलम्बी बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान श्री हरीश कुमार रछौया द्वारा वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक के महत्व और उत्पादन के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी गई । प्रशिक्षण समापन के अंतिम दिन केन्द्र द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण–पत्र वितरित किये गये । कार्यक्रम के अंतिम दिन 10 प्रगतिशील किसान महिलाओं के खेत पर वर्मीकम्पोस्ट युनिट प्रदर्शन के तौर पर लगाई गई ।

अनुसूचित जाति उप–योजना अन्तर्गत पशु स्वास्थय प्रबंधन शिविर का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, गांधी विद्या मंदिर द्वारा अनुसूचित जाति उप–योजना अन्तर्गत दिनांक 23.9.2024 को रतनगढ ब्लॉक के गांव हुडेरा में पशुओं के आंतरिक एवं बाह्य परजीवी नियंत्रण के लिए एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 71 गाय, 46 भैंस, 139 भेड एवं 129 बकरियों को दवा पिलाई गई, जिसमें 15 महिला पशुपालक व 24 पशुपालकों ने भाग लिया ।

कौशल प्रशिक्षण का आयोजन

केन्द्र द्वारा दिनांक 23.9.2024 से 27.9.2024 तक 100 दिवसीय कार्य योजना के अन्तर्गत सब्जी उत्पादन, ग्रेडिंग एवं पैकेजिंग विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन गांव हुडेरा में किया गया जिसमें 25 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया । प्रशिक्षण के दौरान सब्जी उत्पादन तकनीक जैसे–मल्चिंग, लौ टनल, बूंद–बूंद सिंचाई विधि के बारे में बताया तथा सब्जियों को बाजार में बेचने से पूर्व ग्रेडिंग की विधियों एवं सब्जियों की पैकेजिंग के बारे में भी विस्तृत चर्चा की गई ताकि बाजार में कृषक अपने उत्पादन का अच्छा मूल्य प्राप्त कर सके । इस प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य किसानों को पारंपरिक खेती के साथ–साथ व्यावसायिक एवं सरंक्षित खेती को अपनाने एवं दक्षता बढाना था जिससे वे अधिक मुनाफा कमाकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सके । प्रशिक्षण के अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

ग्वार में हीट स्ट्रेस प्रबंधन हेतु प्रक्षेत्र अनुसंधान

दिनांक 25.9.24 को ग्राम देवीपुरा में ग्वार में हीट स्ट्रेस प्रबंधन हेतु प्रक्षेत्र अनुसंधान किसानों की सहभागिता में ग्वार में अधिक तापमान से होने वाले दैहिक विकारों (अस्थाई मुरझान, पत्तियों में पीलापन एवं फूलों का झडना, पौधों की वृद्वि अवरूद्व होना आदि) के बारे में विस्तृत चर्चा की गई एवं समस्या के प्रबंधन हेतु केन्द्र द्वारा किसानों की ग्वार की फसल पर द्वायो ग्लाईकोलिक केन्द्र द्वारा प्रगतिशील किसानों की ग्वार की फसल पर द्वायो ग्लाईकोलिक एसिड (TGA) की अनुसंशित मात्रा 100 पीपीएम का पुस्पन अवस्था पर छिडकाव किया गया ताकि द्वायल का मूल्यांकन एवं परीक्षण हो सके ।

तिल में ऑन फार्म टेस्टिंग (OFT) का आयोजन

दिनांक 25.9.24 को गांव देवीपुरा, तहसील रतनगढ में 10 कृषकों के खेतों में तिल की फसल में पत्ती धब्बा रोग प्रबंधन हेतु ऑन फार्म टेस्टिंग का आयोजन कर थायोफिनेट मिथाईल 70 WP एक ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिडकाव कराया गया ।

मूंगफली फसल के प्रक्षैत्र दिवस का आयोजन

दिनांक 29.9.2024 को केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM) अन्तर्गत प्रायोजित कलस्टर प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों के माध्यम से तिलहन उत्पादन को बढाने हेतु मूंगफली किस्म जीजेजी–19 का गांव गेडाप तहसील–सुजानगढ में आयोजित प्रदर्शनों के परिणामों से अन्य कृषकों को अवगत कराने हेतु प्रक्षैत्र दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें 32 प्रगतिशील कृषक व कृषक महिलाओं ने भाग लिया । भारत सरकार के निर्देशानुसार केन्द्र प्रायोजित प्रदर्शनों के अवलोकन हेतु मिलेट निदेशालय, जयपुर (राज.) से मनोनीत सदस्य डॉ. ओ.पी.खेदड ने केन्द्र द्वारा तिलहन उत्पादन के अन्तर्गत मूंगफली फसल के प्रदर्शनों का अवलोकन किया एवं प्रक्षेत्र दिवस पर उपस्थित कृषकों को आह्वान किया की वे स्वंय के अनुभवों को गांव के अन्य कृषकों के मध्य विस्तारित करें एंव एकीकृत फसल उत्पादन विधियों को अपनाकर मूंगफली की अधिकतम पैदावार लेते हुए अपनी आय को बढाने हेतु उत्पादित मूंगफली को आगामी बुवाई हेतु बीज के रूप में काम लेवें । सस्य वैज्ञानिक श्री हरीश कुमार रछौया ने कृषकों को बीज भंडारण की वैज्ञानिक विधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी । केन्द्र के पौध सरंक्षण वैज्ञानिक श्री मुकेश शर्मा द्वारा ट्राइकोडर्मा से भूमि उपचार करके मूंगफली में कॉलर रोट बीमारी से बचाव की जानकारी प्रदान की गई ।

अक्टूबर माह में किये जाने वाले कार्य

1. किसान भाई अगेती शीतकालीन सब्जियों जैसे–गाजर, मूली, शलजम आदि की बुवाई के लिए खेत तैयार करके बीज उपलब्धता सुनिश्चित करें ।
2. मूंग की फसल अभी पकाव की और अग्रसर है, अतः उचित पकाव पर कटाई कर सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें । खेत में कटाई उपरान्त भंडार की हुई फसल को ढेर बनाकर रात के समय प्लास्टिक से ढक कर रखें ।
3. पशुओं को परजीवी रोगों से बचाव हेतु कृमिनाशक दवा, पशु चिकित्सक से परामर्श कर पिलायें।
4. इस माह भेड के शरीर से ऊन कतरने का कार्य पूर्ण करें ।
5. रबी में उगने वाले हरे चारे की फसल के लिए खेत तैयार करें ।
6. सरसों की बुवाई का उपयुक्त समय सिंचित क्षैत्र में 25 अक्टूबर तथा असिंचित क्षैत्र में 15 अक्टूबर से पूर्व है । सरसों की उन्नत किस्में सी.एस. 60, पी.एम. 30, गिरिराज आर.जी.एन. 145, बायो 902
7. चने की बुवाई का उपयुक्त समय सिंचित क्षैत्र में अक्टूबर माह का प्रथम सप्ताह तथा असिंचित क्षैत्र में 15 अक्टूबर से 30 अक्टूबर है । चने की उन्नत किस्में जी.एन.जी 2144 (तीज), जी.एन.जी 2171, मीरा, जी.एन.जी 1488 (संगम), वरदान ।

संकलनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ) श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ) श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ) श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ) श्री रमेश चौधरी (वरिष्ठ अनुसन्धान अध्येता-NICRA)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान) **Designed** श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो **Typed** श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	डॉ. वी. के. सैनी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर,चूरू–I